Helical Model of Dance
डांस का वर्तुल प्रतिरूप

Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MJMC

Sem-1, Paper- 101

Date- 09/07/2021

Helical Model of Dance

* **समाज वैज्ञानिक** एफ.ई. एक्स डान्स **(F.E.X.Dance)** ने वर्ष **1967** में अपने वर्तुल (Helical) प्रतिरूप का प्रयोग किया।
* डान्स के अनुसार, शुरूआत में व्यक्ति का ज्ञान शून्य होता है और जैसे–जैसे उसके सम्बंध बढ़ते जाते हैं वैसे–वैसे उसके ज्ञान का स्तर भी बढ़ता है। अर्थात उसके ज्ञान में वृद्धि होती है।
* यह प्रतिरूप आसगुड के मॉडल का विकसित रूप है।

Helical Model of Dance

* इनका प्रतिरूप 'रैखिक' (Linear) के साथ–साथ 'सर्कुलर' (Circular) भी है।
* डान्स का मानना है कि सम्प्रेषण अपने सर्किल पूरा करने के बाद फिर से उसी बिन्दु पर लौटता है।
* इनके अनुसार, सम्प्रेषण प्रक्रिया हमेशा आगे की दिशा की ओर बढ़ता है। इस प्रतिरूप में व्यक्ति के ज्ञान में नए संदेश से वृद्धि होती है।

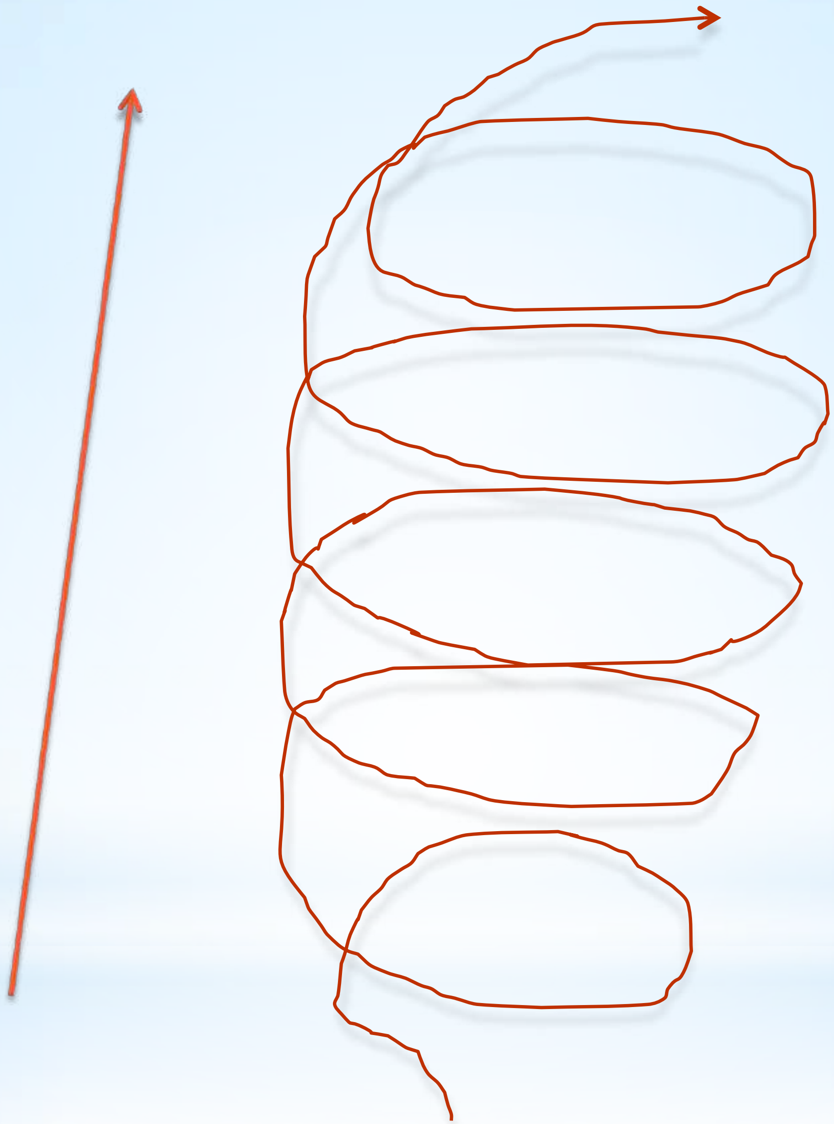

डांस का वर्तुल प्रतिरूप

Helical Model of Dance

* इस मॉडल की अवधारणा उस समय अधिक स्पष्ट होता है जहां संचार की प्रक्रिया में निरंतरता और अंतःक्रिया (Interaction) होती है।
* इस प्रतिरूप को हम एक उदाहरण से समझ सकते हैं–जब कोई व्यक्ति अपरिचित व्यक्ति से बातचीत करता है तो प्रारंभ में वह एक–दूसरे से अनभिज्ञ होते हैं और जब धीरे–धीरे किसी विषय पर बातचीत या चर्चा होती है तो दोनों एक दूसरे के अनुभव और दृष्टिकोण से परिचित हो जाते हैं।

Helical Model of Dance

* इस प्रकार स्पष्ट है कि दोनों व्यक्ति प्रारंभ में एक दूसरे से अपरिचित थे अर्थात दोनों को एक दूसरे के बारे में ज्ञान शून्य था, फिर दोनों में अंतर्वैयक्तिक सम्प्रेषण से एक–दूसरे से परिचित हुए और दोनों के ज्ञान में वृद्धि हुई।
* इस प्रतिरूप में प्रेषक और ग्रहीता के बीच परस्पर विनिमय (Interchangeable) होता है अर्थात इसमें संचार की प्रक्रिया दोनों तरफ से होता है।
* लेकिन संचार में यह निरंतरता हमेशा नहीं बनी रहती है। परिस्थितियां बदल सकती है और संचार निरर्थक और अर्थहीन भी हो सकता है।